नियत कार्य

परास्नातक (शिक्षा) द्वितीय वर्ष
(जनवरी–2021 एवं जुलाई–2021)

शिक्षा विद्यापीठ
इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदानगढ़ी, नई दिल्ली–110068

नियतकार्य

परास्नातक (शिक्षा) द्वितीय वर्ष
जनवरी–2021 एवं जुलाई–2021

कृपया ध्यान दें :

क) विद्यार्थियों को सलाह दी जाती है कि वे नियतकार्यों का चयन स्वयं द्वारा पसन्द किये गये विशिष्ट क्षेत्र से करें।

ख) नियतकार्यों के उत्तर अपने अध्ययन केन्द्र के संचालक के पास व्यक्तिगत रूप से जमा किये जा सकते हैं अथवा पंजीकृत डाक से भेजे जा सकते हैं।

ग) अपने स्वयं के हित के लिए आप को सभी नियतकार्यों की एक–एक प्रति अपने पास सुरक्षित रखनी चाहिए।

विशिष्ट क्षेत्र : उच्च शिक्षा

एम.ई.एस.–101: उच्च शिक्षा : इसका सन्दर्भ एवं संयोजन

नियतकार्य : 01

क) ब्रिटिश शासन के दौरान एवं स्वतंत्रता के बाद भारत में व्यक्ति और समाजिक सन्दर्भ में शिक्षा के उद्देश्यों की व्याख्या कीजिए। स्वतंत्रता के पश्चात् शिक्षा के उद्देश्यों में परिवर्तन लाने के लिए उत्तरदायी कारकों की परिचर्चा कीजिए। (500 शब्द)

ख) उच्च शिक्षा में गुणवत्ता से क्या आश्य है? उच्च शिक्षा संस्थानों की गुणवत्ता का आंकलन करने में नैक (एन.ए.ए.सी.) के पालन में प्रत्यायन की प्रक्रिया की समीक्षात्मक परिचर्चा कीजिए। (500 शब्द)

ग) शिक्षण, अनुसन्धान और प्रसार के प्रकार्य किस प्रकार जुड़े हैं? उच्च शैक्षिक संस्थानों में तीन प्रकार्यों के संयोजन का आप का आंकलन क्या है? (500 शब्द)

एम.ई.एस.–102 : उच्च शिक्षा में अनुदेशन

नियतकार्य : 01

क) शिक्षक सुयोग्यता (कम्पिटेन्स) से क्या तात्पर्य है? उन योग्यताओं और कौशलों का वर्णन कीजिए जो उच्च शिक्षा के शिक्षक को कक्षा में अपने विद्यार्थियों को प्रभावात्मक रूप से पढ़ाने में योग्य बनाते हैं। (500 शब्द)

ख) उच्च शैक्षिक संस्थानों में वर्तमान परीक्षा पद्धति में सुधार लाने के लिए प्रस्तुत किये जाने वाले आवश्यक सुधारों की संक्षेप में परिचर्चा कीजिए। (500 शब्द)

ग) इकाई योजना और पाठ योजना में अन्तर स्पष्ट कीजिए। स्नातक स्तर पर अपनी पसन्द के विषय से एक इकाई का चयन कीजिए और इस पर एक विस्तृत इकाई योजना तैयार कीजिए। (500 शब्द)

एम.ई.एस.–103 : उच्च शिक्षा : मनो–सामाजिक सन्दर्भ

नियतकार्य : 01

क) बुद्धि के मनोमितीय सिद्धांतों का वर्णन कीजिए। (500 शब्द)

ख) शिक्षण–अधिगम में अभिप्रेरणा–सिद्धान्तों के शैक्षिक निहितार्थों की परिचर्चा कीजिए। (500 शब्द)

ग) मन्द–दृष्टि वाले शिक्षार्थियों की अधिगम विशिष्टतायें कौन सी हैं? उनकी सुविधा के लिए

एक महाविद्यालय शिक्षक को कौन सी रणनीतियाँ अपनानी चाहिए? परिचर्चा कीजिए।

(500 शब्द)

एम.ई.एस.–104 : उच्च शिक्षा का नियोजन एवं प्रबन्धन

नियतकार्य : 01

क) 'विश्वविद्यालयों की स्वायत्तता के लिए जवाबदेही एक आवश्यक एवं महत्त्वपूर्ण पूर्व–शर्त है।' इस कथन की परिचर्चा कीजिए। (500 शब्द)

ख) उच्च शिक्षा शिक्षक के द्वारा कक्षा–कक्ष वातावरण और कार्यों को किस प्रकार प्रभावी रूप से प्रबन्धित किया जा सकता है? संक्षेप में परिचर्चा कीजिए। (500 शब्द)

ग) मान लीजिए आप के अपनी पसन्द के विषय में पाठ्यचर्या–विकास के लिए महाविद्यालय के प्राचार्य द्वारा विशेषज्ञ समूह का सदस्य बना दिया जाता है। उस पाठ्यक्रम के लिए पाठ्यचर्या विकसित करते समय आप किन चरणों का पालन करेंगे? वर्णन कीजिए।(500 शब्द)

विशिष्ट क्षेत्र : दूरस्थ शिक्षा

एम.ई.एस.–111 : दूरस्थ शिक्षा का विकास और दर्शन

नियतकार्य : 01

क) शिक्षा की प्रत्यक्ष विधि की प्रभावकारिता शिक्षा की दूरस्थ विधि की प्रभावकारिता के साथ सोदाहरण तुलना कीजिए। (500 शब्द)

ख) माइकेल मूर द्वारा विचारित दूरस्थ शिक्षा की अवधारणा की संक्षेप में व्याख्या कीजिए।

(500 शब्द)

ग) भारत में इतिहास के विविध चरणों में सामाजिक राजनैतिक परिवर्तनों ने शैक्षिक प्रावधानों को किस प्रकार प्रभावित किया है? समीक्षात्मक परिचर्चा कीजिए। (500 शब्द)

एम.ई.एस.–112 : स्व–अधिगम मुद्रित सामग्री की रूपरेखा और विकास

नियतकार्य : 01

क) सम्प्रेषण का अर्थ और प्रक्रियाओं का वर्णन कीजिए। दूरस्थ शिक्षा पद्धति में शिक्षक और विद्यार्थियों के बीच सम्प्रेषण किस प्रकार होता है? व्याख्या कीजिए। (500 शब्द)

ख) दूरस्थ शिक्षा में गुणवत्ता के अर्थ की व्याख्या कीजिए। दूरस्थ शिक्षा सामग्रियों में गुणवत्ता को किस प्रकार सुनिश्चित किया जा सकता है? परिचर्चा कीजिए। (500 शब्द)

ग) स्नातक स्तर पर अपनी पसन्द के विषय से एक इकाई की पहचान कीजिए। दूरस्थ शिक्षार्थियों के लिए एक स्व–अधिगम इकाई के रूप में आप उसी इकाई की रूपरेखा किस प्रकार तैयार करेंगे? वर्णन कीजिए। (500 शब्द)

एम.ई.एस.–113 : शिक्षार्थी सहायक सेवायें

नियतकार्य : 01

क) शिक्षार्थी सहायक सेवाओं के अर्थ एवं प्रकार की व्याख्या कीजिए। दूरस्थ शिक्षा पद्धति में उनकी आवश्यकता की परिचर्चा कीजिए। (500 शब्द)

ख) परामर्श से क्या आशय है? दूरस्थ शिक्षा परामर्शदाता द्वारा अवाप्त आवश्यक कौशलों का वर्णन कीजिए। (500 शब्द)

ग) दूरस्थ शिक्षण की प्रक्रिया में निहित कार्यों और समस्याओं की समीक्षात्मक परिचर्चा कीजिए। (500 शब्द)

एम.ई.एस.–114 : दूरस्थ शिक्षा का प्रबन्धन

नियतकार्य : 01

क) विश्वविद्यालय के अभिशासन में निहित निर्णय लेने वाले विविध निकायों के प्रकार्यों की परिचर्चा कीजिए। (500 शब्द)

ख) इग्नू द्वारा चलाये जाने वाले शैक्षिक कार्यक्रमों के विकास एवं वितरण की प्रक्रियाओं का वर्णन कीजिए। (500 शब्द)

ग) अधिगम संगठन का क्या अर्थ है? एक दूरस्थ शिक्षा संस्थान किस प्रकार अधिगम संगठन हो सकता है? परिचर्चा कीजिए। (500 शब्द)

एम.ई.एस.–115 : दूरस्थ शिक्षा के लिए संचार प्रौद्योगिकी

नियतकार्य : 01

क) शैक्षिक समस्याओं को हल करने के लिए संचार प्रौद्योगिकी के अभिग्रहण को प्रभावित करने वाले कारकों की संक्षेप में परिचर्चा कीजिए। (500 शब्द)

ख) टेलीकान्फरेंसिंग के अर्थ एवं प्रकारों की व्याख्या कीजिए। दूरस्थ शिक्षार्थियों के लिए टेलीकान्फरेंस किस प्रकार आयोजित किये जाते हैं? वर्णन कीजिए। (500 शब्द)

ग) वीडियों कार्यक्रम विकसित करने के लिए अपने पसन्द के विषय से उपयुक्त शीर्षक की पहचान कीजिए। उस वीडियों का आलेख (स्क्रिप्ट) लिखते समय आप किन चरणों का पालन करेंगे? वर्णन कीजिए। (500 शब्द)

विशिष्ट क्षेत्र : शैक्षिक प्रौद्योगिकी

एम.ई.एस.–031 : ई.टी. : एक अवलोकन

नियतकार्य : 01

क) शैक्षिक प्रौद्योगिकी की अवधारणा की व्याख्या कीजिए। उन विविध चरणों का वर्णन कीजिए जिनसे होकर शैक्षिक प्रौद्योगिकी ने विकास किया है। (500 शब्द)

ख) प्रतिपुष्टि के अर्थ एवं प्रकार का वर्णन कीजिए। शिक्षण–अधिगम प्रक्रिया में प्रतिपुष्टि की भूमिका की परिचर्चा कीजिए। (500 शब्द)

ग) मनोविज्ञान में प्रमुख विचारधाराओं के अनुसार अधिगम की अवधारणा की व्याख्या कीजिए। प्रौद्योगिकी के साथ शिक्षण एवं अधिगम के लिए विविध अधिगम सिद्धांतों के निहितार्थों की संक्षेप में परिचर्चा कीजिए। (500 शब्द)

एम.ई.एस.–032 : संचार एवं सूचना प्रौद्योगिकी

नियतकार्य : 01

क) वीडियों कार्यक्रम के निर्माण चरणों की परिचर्चा कीजिए। (500 शब्द)

ख) प्रौद्योगिकी के एकीकरण के लिए दिशा–निर्देशों की व्याख्या कीजिए। (500 शब्द)

ग) कक्षा–कक्ष संचार में आप अन्तःक्रिया को किस प्रकार प्रोत्साहित करेंगे? प्रौद्योगिकी समर्थ पाँच शिक्षण–अधिगम क्रियायें सुझाइये। (500 शब्द)

एम.ई.एस.–033 : संगणक (कम्प्यूटर) प्रौद्योगिकी

नियतकार्य : 01

क) कलन विधि (एल्गोरिथम) क्या है? कलन विधि की महत्त्वपूर्ण विशेषतायें कौन सी हैं? कलन विधि के कूटबद्ध (कोडिंग) करने के महत्त्व की व्याख्या कीजिए। (500 शब्द)

ख) 'प्राण–संचारण' (एनीमेशन) शब्द की व्याख्या कीजिए। शिक्षा में इसके उपयोग का सोदाहरण वर्णन कीजिए। (500 शब्द)

ग) मान लीजिए आप को एक मल्टीमीडिया कार्यक्रम का विकास करना है। आप किस अधिकृत उपकरण का प्रयोग करना पसन्द करेंगे और आप जिस अधिकृत उपकरण का प्रयोग करना पसन्द करेंगे उसकी विशेषताओं का वर्णन कीजिए। (500 शब्द)

एम.ई.एस.–034 : कोर्सवेयर की रूपरेखा तैयार करना (डिजाइनिंग कोर्सवेयर)

नियतकार्य : 01

क) कोर्सवेयर–विकास के प्रणाली उपागम का वर्णन कीजिए। (500 शब्द)

ख) मीडिया कोर्सवेयर के निर्माण को प्रभावी रूप से नियंत्रित करने के तरीकों की परिचर्चा कीजिए। (500 शब्द)

ग) आप जिस शीर्षक को पढ़ाना चाहेंगे उसके वीडियों कार्यक्रम के लिए संक्षिप्त आलेख (स्क्रिप्ट) विकसित कीजिए। (500 शब्द)

विशिष्ट क्षेत्र : शैक्षिक प्रबन्धन

एम.ई.एस.–041 : शैक्षिक प्रबन्धन की संवृद्धि एवं विकास

नियतकार्य : 01

क) शैक्षिक प्रबन्धन के प्रकार्य कौन से है? आप उन्हें किस प्रकार श्रेणीबद्ध करते हैं?

(500 शब्द)

ख) परिवर्तनकारी नेतृत्व की अवधारणा की व्याख्या कीजिए। परिवर्तनकारी नेताओं द्वारा पालन की जा रही विभिन्न रणनीतियों की परिचर्चा कीजिए। (500 शब्द)

ग) भारत में तकनीकी और व्यावसायिक शिक्षा के विशेष सन्दर्भ में उच्च शिक्षा के सम्मुख मुद्दों की समीक्षात्मक विश्लेषण कीजिए। (500 शब्द)

एम.ई.एस.–042 : शैक्षिक प्रबन्धन के आयाम

नियतकार्य : 01

क) सर्वशिक्षा अभियान (एस.एस.ए.) के उद्देश्य कौन से थे? भारत में प्रारंभिक शिक्षा के सार्वभौमीकरण में इसकी भूमिका का समीक्षात्मक परीक्षण कीजिए। (500 शब्द)

ख) क्या आप यह समझते हैं कि पी.पी.पी. मॉडल के अन्तर्गत (एन.जी.ओज) और निजी उन्नायकों (प्रोमोटर्स) को शामिल करने से भारत में उच्च शिक्षा की गुणवत्ता के सुधार में सहायता मिलेगी? उपयुक्त उदाहरण उद्धृत करते हुए चिन्तन कीजिए। (500 शब्द)

ग) किसी नजदीकी विद्यालय का भ्रमण कीजिए और प्रधानाचार्य शिक्षकों और समुदाय के सदस्यों से ग्राम शिक्षा समिति (वी.ई.सी.) के द्वारा विद्यालयी शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार लाने के लिए किये गये योगदान के बारे में परिचर्चा कीजिए। उनके प्रेक्षणों पर समीक्षात्मक रूप से

विचार कीजिए और वी.ई.सी. की कार्यप्रणाली में सुधार लाने के तरीके और वी.ई.सी. की कार्यप्रणाली में सुधार लाने के तरीके सुझाइये। (500 शब्द)

एम.ई.एस.–043 : संगठनात्मक संव्यवहार

नियतकार्य : 01

क) विवाद प्रबन्धन की पद्धतियों के विविध घटकों की परिचर्चा कीजिए। (500 शब्द)

ख) प्रभावी नेतृत्व के विभिन्न कारक कौन से हैं? अपने छात्रों में नेतृत्व कौशलों को बढ़ाने के लिए अपने कक्षा–कक्ष में आप द्वारा संचालित की जा सकने वाली कुछ क्रियाएं सुझाइये।

(500 शब्द)

ग) स्व–विकास के लिए आवश्यक विविध सामाजिक कौशलों का सविस्तार प्रतिपादन कीजिए। एक शैक्षिक नेता के रूप में आप इन कौशलों का विकास अपने छात्रों में किस प्रकार करेंगे?

(500 शब्द)

एम.ई.एस.–044 : सांस्थनिक प्रबन्धन

नियतकार्य : 01

क) कक्षा–कक्ष प्रबन्धन के पूर्व–क्रियात्मक एवं अन्तः क्रियात्मक चरणों की उपयुक्त उदाहरणों द्वारा परिचर्चा कीजिए। (500 शब्द)

ख) विद्यार्थी सहायता प्रणाली के प्रबन्धन के लिए शैक्षिक संस्था द्वारा प्रदान की जाने वाली आवश्यक सेवाओं की व्याख्या कीजिए। (500 शब्द)

ग) शैक्षिक संस्थाओं में गुणवत्ता सूचकों के रूप में निवेश, प्रक्रिया और निर्गम की परिचर्चा कीजिए । उपयुक्त उदाहरणों द्वारा उन्हें स्पष्ट कीजिए। (500 शब्द)

विशिष्ट क्षेत्र : प्रौढ़ शिक्षा

एम.ए.ई.–001 : प्रौढ़ शिक्षा को समझना

नियतकार्य : 01

क) आजीवन शिक्षा की परिभाषा दीजिए। 'आवर्ती शिक्षा' 'सतत शिक्षा' और दूरस्थ शिक्षा किस प्रकार आजीवन शिक्षा के लिए प्रासंगिक हैं? व्याख्या कीजिए। (500 शब्द)

ख) प्रौढ़ अधिगम की प्रकृति की परिचर्चा कीजिए। प्रौढ़ अधिगम के लिए मनोविज्ञान की प्रासंगिकता की व्याख्या कीजिए। (500 शब्द)

ग) शिक्षक एवं प्रशिक्षण में अन्तर स्पष्ट कीजिए। प्रौढ़ शिक्षा में शिक्षण एवं प्रशिक्षण दोनों के लिए उपयोगी किन्हीं तीन विधियों की परिचर्चा कीजिए। (500 शब्द)

एम.ए.ई.–002 : भारत में प्रौढ़ शिक्षा की नीति नियोजन एवं क्रियान्वयन

नियतकार्य : 01

क) सहभागिता प्रशिक्षण से आप क्या समझते हैं? सहभागिता प्रशिक्षण के सिद्धान्तों की परिचर्चा कीजिए। (500 शब्द)

ख) प्रौढ़, सतत शिक्षा एवं विस्तार और दर्ज अप्राप्य क्रियाओं के आयोजन में निहित सोपानों का वर्णन कीजिए। (500 शब्द)

ग) भारत में प्रौढ़ शिक्षा के द्वारा सामना की जा रही चुनौतियाँ कौन सी है? उन्हें सम्बोधित करने के लिए कुछ योजनायें और क्रियायें सुझाइये। (500 शब्द)

एम.ए.ई.–003 : प्रौढ़ शिक्षा में ज्ञान प्रबन्धन, सूचना प्रसार और नेटवर्किंग

नियतकार्य : 01

क) ज्ञान की अवधारणा की व्याख्या कीजिए। यह आँकड़ों, सूचना और पांडित्य (विजडम) से किस प्रकार भिन्न है? उनके अन्तर्सम्बन्ध की सोदाहरण व्याख्या कीजिए। (500 शब्द)

ख) सूचना प्राप्त करने के लिए प्रयोग किये जाने वाले विभिन्न उपागमों की परिचर्चा कीजिए। प्रौढ़ शिक्षार्थियों के लिए सूचना पुनः प्राप्ति एवं प्रसार के सन्दर्भ में उनके सापेक्ष लाभों की व्याख्या कीजिए। (500 शब्द)

ग) 'संगठनात्मक संव्यवहार' को समझने के लिए व्यक्तित्व किस प्रकार योगदान करता है? व्यक्ति के सिद्धान्तों और इसके मापन के सन्दर्भ में इसका विश्लेषण कीजिए। (500 शब्द)

एम.ए.ई.–004 : विस्तार शिक्षा एवं विकास

नियतकार्य : 01

क) स्वातन्त्र्योत्तर काल के दौरान भारत में विस्तार शिक्षा की संवृद्धि एवं विकास का वर्णन कीजिए। (500 शब्द)

ख) भारत में विकासात्मक विषमताओं और हाशियाकरण के विविध कारणों की उपयुक्त उदाहरणों द्वारा परिचर्चा कीजिए। (500 शब्द)

ग) चरमपथ विधि (क्रिटिकल पाथ मेथड–सी.पी.एम.) में निहित सोपानों की व्याख्या कीजिए। विस्तार कार्यक्र के प्रभावी नियोजन एवं निगरानी में सी.पी.एम. किस प्रकार सहायता करता है? उपयुक्त उदाहरण कीजिए। (500 शब्द)